Thirteenth Loksabha

Session : 9
Date : 26-04-2002

Participants : Athawale Shri Ramdas

Title: Request to introduce the reservation for SC & ST in the private sector.

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : सभापति महोदय, भारत के राट्रपति माननीय के.आर. नारायण जी ने एससीएसटी के लिए प्राइवेटाइजेशन में रिजर्वेशन की अपनी ओपिनियन बताई है। हाई-कोर्ट और सुप्रीम-कोर्ट में भी एससीएसटी के लिए रिजर्वेशन रखना चाहिए भी उन्होंने बतलाया है। लेकिन भारत सरकार की तरफ से उनकी इस बात की अनदेखी हो रही है। मैं भारत सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि अपने राट्रपति जी की ओपिनियन का आदर करने की जिम्मेदारी भी उनकी है। सरकार भी जब कहती है कि एससीएसटी को रिजर्वेशन प्राइवेटाइजेशन में मिलना चाहिए तो मैं भारत सरकार से मांग करता हूं कि जब प्राइवेटाइजेशन बढ़ता जा रहा है और एससीएसटी का रिजर्वेशन कम होता जा रहा है तो प्राइवेटाइजेशन में रिजर्वेशन लागू करने का कानून उनको संसद में लाना चाहिए। यहां पर माननीय प्रमोद महाजन जी और माननीय यशवंत सिन्हा जी बैठे हुए हैं। मेरा अनुरोध है कि भारत सरकार को प्राइवेटाइजेशन में एससीएसटी का रिजर्वेशन लागू करने के बारे में जल्द से जल्द निर्णय करना चाहिए और माननीय राट्रपति जी की ओपिनियन का आदर करना चाहिए।